

सर बानी यस द्वीप

सरोत: इंडियन एक्सप्रेस

अबू धाबी के सर बानी यस द्वीप पर स्थिति प्राचीन स्थल से 1,400 वर्ष पुराना एक **ईसाई क्रॉस (सलीब)** प्राप्त हुआ है। **इराक और कुवैत** में ऐतिहासिक **चर्च ऑफ द ईस्ट** से जुड़ी हुई ऐसी ही कलाकृतियाँ खाड़ी क्षेत्र में सांस्कृतिक सद्भाव की वरिषत की ओर संकेत करती हैं।

- सर बानी यस द्वीप: यह अबू धाबी के अल धाफरा क्षेत्र के तट से दूर स्थिति सबसे बड़ा द्वीप है। इसे वर्ष 1971 में एक प्राकृतिक अभयारण्य घोषित किया गया था तथा वर्तमान में यह अरेबियन वाइल्डलाइफ पार्क है, जहाँ पशु स्वतंत्र रूप से वचिरण करते हैं और प्रजनन कार्यक्रम संचालित होते हैं।
 - सर बानी यस द्वीप का उल्लेख पहली बार यूरोपीय अभिलेखों में वर्ष 1590 में इतालवी व्यापारी गैसपारो बाल्बी ने ऐसे द्वीप के रूप में सूचीबद्ध किया था, जिसके आसपास अक्सर मोती पाए जाते थे। यह व्यापार 20वीं शताब्दी के आरंभ तक महत्वपूर्ण बना रहा।



और पढ़ें: [भारत-संयुक्त अरब अमीरात संबंध: परंपरा से परिवर्तन तक](https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sir-bani-yas-island)